

નેક બનને કા નુસ્ખા

પન્દરહવીં સદી કી અઝીમ ઈસ્મી વ રૂહાની શખ્સિયત

શૈખે તરીકત, અમીરે અહલે સુન્નત, બાનિયે દા'વતે ઈસ્લામી

હઝરતે અલ્લામા મૌલાના અબૂ બિલાલ

મુહમ્મદ ઈલ્યાસ અત્તાર કાદિરી ૨-અવી داست برکاتیم العالمیہ

ને ઈસ પુર ફિતન દૌર મેં નેકિયાં કરને ઓર ગુનાહોં સે બચને કે તરીકોં પર મુશ્તમિલ શરીઅતો તરીકત કા જામેઅ મજમૂઆ

63 મ-દની ઈન્આમાત

63 Madani In-aamaaT (Gujarati)

બ સૂરતે સુવાલાત અતા ફરમાએ હૈં. ઈન કે મુતાબિક આસાની સે અમલ કરને કા તરીકએ કાર આખિર મેં દિયા ગયા હૈ. મઝીદ મા'લૂમાત કે લિયે મક-ત-બતુલ મદીના કી કિસી ભી શાખ સે કિતાબ

જન્નત કે તલબ ગારોં કે લિયે મ-દની ગુલદસ્તા તલબ ફરમા સકતે હૈં.

મઝઝી મજલિસે શૂરા (દા'વતે ઈસ્લામી)

مکتبۃ الرینہ
دا'વતે ઈસ્લામી

म-दनी वजाहतें

म-दनी ँन्आमात की वजाहतों और रियायतों से मु-तअल्लिक सुवालात के जवाबात के लिये तन्नीमी तौर पर तीन काँदहे मुकरर किये गअे हैं.

काँदहा नम्बर 1 : आ'ल म-दनी ँन्आमात यन्द "जुलँय्यात" पर मुशतमिल हैं.

म-सलन : तहजुद, ँशराक, याशत, अवाबीन वाला म-दनी ँन्आम, ँस म-दनी ँन्आम में 4 जुल हैं, लिहाजा अैसे म-दनी ँन्आमात पर अकसर पर अमल होने की सूरत में तन्नीमी तौर पर अमल मान लिया जाअेगा.

(अकसर से मुराद आधे से जियादा म-सलन 100 में से 51 अकसर कहलाअेगा)

काँदहा नम्बर 2 : आ'ल म-दनी ँन्आमात अैसे हैं जिन पर किसी दिन अमल न होने की सूरत में तन्नीमी तौर पर दूसरे दिन अमल की तरगीअ है.

મ-સલન : ચાર સફહાત ફેઝાને સુન્નત, **313** બાર દુરુદે પાક પઢને યા કન્જુલ ઈમાન શરીફ સે કમ અઝ કમ **3** આયાત કી તિલાવત (મઅ તરજમા વ તફસીર) કરને સે મહરૂમી રહી. ઈસ સૂરત મેં જિતને દિન નાગા હુવા, બા'દ વાલે દિનોં મેં રહ જાને વાલે દિનોં કા હિસાબ લગા કર ઈતની હી મર્તબા અમલ કરને પર તન્નીમી તૌર પર અમલ માન લિયા જાએગા.

કાઈદા નમ્બર **3** : બા'ઝ મ-દની ઈન્આમાત એસે હેં જિન પર અમલ કી આદત બનાને મેં વક્ત લગતા હે.

મ-સલન : કહ્કહા, તૂ તુકાર સે બચને ઔર નિગાહેં ઝુકા કર ચલને કી આદત બનાને વાલે ઈન્આમાત, એસે મ-દની ઈન્આમાત પર ઝમાનએ કોશિશ કે દૌરાન અમલ માન લિયા જાએગા. (કોશિશ પાએ જાને કે લિયે ઝરૂરી હે કે કમ અઝ કમ દિન મેં **3** દફ્આ અમલ કરે)

यौमिय्या 47 म-दनी ई-आमात

पहला द-रजा 17 म-दनी ई-आमात

(1) क्या आज आप ने कुछ न कुछ ज़रूरी कामों से पहले अच्छी अच्छी नियतें कीं? नीला कम अल कम दो को इस की तरगीब दिलाई?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(2) क्या आज आप ने पांथों नमाज़ें अदा इरमाई? (अपने घर में नमाज़ के लिये कोई जगह मप्सूस करना मुस्तहब है इसे मस्जिदें बैत कहते हैं)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(3) क्या आज आप ने नमाज़े पन्जगाना के बा'द नीला सोते वक्त कम अल कम अक अक बार आ-यतुल कुर्सी, सू-रतुल ईब्दास और तस्बीहे इतिमा रَضِيَ اللهُ تَعَالَى عَنْهَا पढी? नीला रात में सू-रतुल मुस्क पढ या सुन ली?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(4) क्या आज आप ने बातचीत, खलत इरत, उठाना रबना, पाना पकाना, इने पर गुइत-गू वगैरा तमाम कामकाज मौकूइ कर के अज़ान का जवाब दिया? (अगर पहले से बा पी रही हों और अज़ान शुरू हो जाये तो पाना पीना जारी रब सकती हैं)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(5) क्या आज आप ने अपने श-जरे के कुछ न कुछ अवराद और कम अल कम 313 बार दुरद शरीफ पढ लिये ? नील कन्जुल ँमान शरीफ से कम अल कम तीन आयात (मअ तरजमा व तफसीर) तिलावत करने या सुनने की सआदत हासिल की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीआन
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(6) क्या आज आप ने आयन्दा की हर ज़रूरत बात के ँरादे पर $\text{إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ}$ (या'नी अगर अल्लाह عَزَّوَجَلَّ ने चाहा तो) और मिआज पुर्सी पर शिक्वा करने के बजाये $\text{أَلْحَمْدُ لِلَّهِ عَلَى كُلِّ حَالٍ}$ (या'नी हर हाल में अल्लाह عَزَّوَجَلَّ शुक्र है) और किसी ने'मत को देष कर $\text{مَا شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ}$ (या'नी जो अल्लाह عَزَّوَجَلَّ की मरजी) या بَارَكَ اللَّهُ (या'नी अल्लाह عَزَّوَجَلَّ ब-र-कत दे) कहा ? (जब भी येस यारों अ-रबी अल्लाह कहे ज़ां उस वक्त मा'ना पर नज़र रबिये)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीआन
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(7) आज आप ने (घर में भी और बाहर भी) हर छोटे बड़े हत्ता के वालिदा (और अक दिन के बच्चे को भी) को भी तू कह कर मुजातब किया या आप कह कर ? नील हर अक से दौराने गुफ्त-गू "हैं!" कह कर बात की या "ज!" कह कर ? (आप और ज कहना दुरुस्त जवाब है)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीआन
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(8) क्वा आऒ आप ने सलाम का ऒवाब और ँींकने वाले के ٱर्रुह्रुु कलने पर इरन ँतनी आवाऒ से ऒवाबन ٱर्रुह्रुु कल के ँनों ने सुन ललया ? (गैर महरम के सलाम और ँींक का ऒवाब ँतनी आवाऒ से ँं के सरुई आप ऒुद ँी सुन सकें)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीऒान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(9) क्वा आऒ आप ने ँौराने गुइत-गू कुँ न कुँ ँा'वते ँस्लामी की ँस्तिवाऒात ँस्ति'माल इरमाँ ? नीऒ तलइकुँ की दुरुस्ती के ललये कोशिश की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीऒान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(10) क्वा आऒ आप ने ँतल ँम्कान सुन्नत के मुताबिक बैठ कर मअ पर्दें में पर्दा, ऒाने पीने के ँौरान मिट्टी के ऒरतन ँस्ति'माल इरमाँ ? नीऒ पेट का कुँले मदीना लगाने (या'नी ऒ्वाऒिश और ऒूक से कम ऒाने) की कोशिश इरमाँ ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीऒान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(11) क्वा आऒ आप ने इँऒाने सुन्नत से कम अऒ कम ँो² ँर्स (मद्रसा, घर वगैरा) ऒऒां सहूलत ँो दलये या सुने ? (ऒारी के दलनों में आयाते कुरआनी और तरऒमे को पढे ऒिगैर और आगे या पीँे से ँूँ ऒिगैर ँर्स देना ऒऒऒ है) (ँो में से घर का अेक ँर्स ऒऒरी है)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीऒान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(12) क्या आज आप ने 12 मिनट मक-त-बतुल मदीना की मत्बूआ किसी ँस्वाही कितान और कैजाने सुन्नत से तरतीब वार कम अऊ कम यार सईलात (दर्स के ँलावा) पठ या सुन लिये ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीजान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(13) क्या आज आप ने कम अऊ कम अेक बार (बेहतर येह है के सोने से कषल) सलातुतौबा पठ कर दिन भर के बल्के साबिका होने वाले तमाम गुनाहों से तौबा कर ली ? नीऊ षुदा न ष्वास्ता गुनाह हो जाने की सूरत में कैरन तौबा कर के आयन्दा वोह गुनाह न करने का अहूद किया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीजान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(14) क्या आज आप ने यकसूँ के साथ कम अऊ कम 12 मिनट इँके मदीना (या'नी अपने आ'माल का मुहा-सबा) करते हुअे जिन जिन "म-दनी ँन्आमात" पर अमल हुवा उन की रिसाले में जाना पुरी इरमाँ ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीजान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(15) क्या आज आप ने उत्तल ईम्कान (प्लास्टिक की नहीं) ञजूरी यटाई या न होने की सूरत में अमीन पर सोते वक्त सिरछाने (और सङ्गर में भी) सुन्नत के मुताबिक आईना, सुरमा, कंधा, सूई धागा, भिस्वाक, तेल की शीशी और कैंची साथ रणी ? नीऊ नींद से इरागत के आ'द बिस्तर और उतारने के आ'द लिबास तह कर के रणा ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	भीऊन
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(16) आप ने कहीं अपने घर में जानदारों की तसावीर या स्टीकर्स तो नहीं लगा रणे ? (जिस घर में जानदार की तस्वीर ता'जीम की जगह रणी हो या कुत्ता हो उस घर में रहमत के इरिशते दाबिल नहीं होते अगर आप आ ईज्तिवार हैं तो हर लिबास, दीवार, ओतल, बक्स बढके घर की हर चीऊ पर से तसावीर का आतिमा कर के सवाब कमाईये. बर्यों को जानदारों की तसावीर वाले आबासूट भी मत पहनाईये)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	भीऊन
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(17) क्या आज आप ने कम अऊ कम दो ईस्वामी बहनों को ईन्किरादी कोशिश के अरीअे म-दनी ईन्आमात, सुन्नतों बरे ईज्तिमाअ व दीगर म-दनी कामों की तरगीब दिवाई ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	भीऊन
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

દૂસરા દ-રજા 18 મ-દની ઈન્આમાત

(18) ક્યા આજ આપ ને ફજા કે સાથ સાથ ઝોહર કી સુન્નતે કબ્લિયા ફર્જ રક્ષતોં સે કબ્લ નીઝ અસ્ર ઓર ઈશા કી કબ્લિયા સુન્નતેં ઓર ફર્જોં કે બા'દ વાલે નવાફિલ અદા ફરમાએ ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	મીઝાન
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(19) ક્યા આજ આપ ને નમાઝે તહજ્જુદ, ઈશરાક વ યાશત ઓર અવ્વાબીન અદા ફરમાઈ ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	મીઝાન
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(20) ક્યા આજ આપ ને કમ અઝ કમ એક બાર તહિયતુલ વુઝૂ અદા ફરમાઈ ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	મીઝાન
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(21) ક્યા આજ આપ ને મર્કઝી મજલિસે શૂરા, કાબીનાત, મુશા-વ-રતેં વ દીગર તમામ મજલિસ જિસ કી ભી આપ મા તહૂત હૈં ઉન કી (શરીઅત કે દાએરે મેં રહ કર) ઈતાઅત ફરમાઈ ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	મીઝાન
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(22) આજ આપ ને ઘર કે અફરાદ કે ઈલાવા કહીં (કપડે, ફોન, ઝેવરાત વગેરા) ચીઝેં દૂસરોં સે માંગ કર તો ઈસ્તિ'માલ નહીં કીં ? (સિફ અપની ચીઝેં ઈસ્તિ'માલ કીજિયે ઓર ઝરૂરત કી ચીઝ નિશાની લગા કર અપને પાસ બ હિફાઝત રખિયે)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	મીઝાન
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(23) આજ આપ ને (ઘર મેં યા બાહર) કિસી પર ગુસ્સા આ જાને કી સૂરત મેં ચુપ સાધ કર ગુસ્સે કા ઈલાજ ફરમાયા યા બોલ પડીં ? નીઝ દર ગુઝર સે કામ લિયા યા ઈન્તિકામ (યા'ની બદલા લેને) કા મૌકઅ ઢૂંડતી રહીં ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	મીઝાન
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(24) કિસી ઝિમ્મેદાર (યા આમ ઈસ્લામી બહન સે) બુરાઈ સાદિર હોને કી સૂરત મેં તહરીરી તૌર પર યા બરાહે રાસ્ત મિલ કર (દોનોં સૂરતોં મેં નરમી કે સાથ) સમઝાને કી કોશિશ ફરમાઈ યા مَعَاذَ اللَّهِ عَزَّ وَجَلَّ બિલા ઈજાઝતે શર-ઈ કિસી ઓર પર ઈઝહાર કર કે આપ ગીબત કા ગુનાહે કબીરા કર બૈઠીં ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	મીઝાન
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(25) क्या आज आप ने किसी से जैसे कुञ्ज सुवालात तो नहीं किये जिन के उरीओ मुसलमान उमूमन जूट के गुनाह में मुज्तला हो जाते हैं ? (म-सलन बिला जरूरत पूछना आप को हमारा जाना पसन्द आया ? आप को सहर में कोई तकलीफ तो नहीं हुई वगैरा)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	भीजान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(26) आज आप ने कहीं ना महरम रिशतेदारों, ना महरम पडोसियों नीज देवर या जेठ से ँडकलुङ हो कर और हंस हंस कर गुङत-गू करने का मन्नूअ काम तो नहीं किया ? क्या ँन के सामने आने से कतराँ और ँन से शर-ँ पढा किया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	भीजान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(27) क्या आज आप (घर में या बाहर) T.V, V.C.R या Internet वगैरा पर फिल्में, डिरामे और गाने बाजे या गुनाहों त्परी ँजरेँ देखने या सुनने से ँयीं ? नीज आंषों की हिकमत की आदत बनाने के लिये सोने के अवकात के ँलावा कम अज कम 12 मिनट आंषें ँन्द रयीं ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	भीजान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(28) ક્યા આજ આપ ને ઘર મેં મ-દની માહોલ બનાને કે લિયે 19 મ-દની ફૂલોં કે મુતાબિક મુમ્કિના સૂરત મેં અમલ કિયા ? નીઝ તમામ તન્ઝીમી મસરૂફિયાત સે ફારિગ હો કર મગરિબ સે પહલે ઘર પહોંચ ગઈ ? (મ-દની ફૂલ રિસાલે કે આખિર મેં મુલા-હઝા ફરમાઈયે)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	મીઝાન
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(29) આજ આપ ને કહીં (ઘર મેં ઓર બાહર) કિસી પર તોહમત તો નહીં લગાઈ ? કિસી કા નામ તો નહીં બિગાડા ? કિસી સે ગાલી ગલોચ તો નહીં કી ? (કિસી કો ચોર, જાદૂગર, લમ્બી, ઠિંગની વગેરા ન કહા કરેં)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	મીઝાન
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(30) આજ આપ ને દૂસરે કી બાત ઈત્મીનાન સે સુનને કે બજાએ ઉસ કી બાત કાટ કર કહીં અપની બાત તો શુરૂઅ નહીં કર દી ? નીઝ બાત સમઝ જાને કે બા વુજૂદ બે સાખ્તા : હેં ? જી ? યા ક્યા ? વગેરા બોલ કર યા અબ્રૂ યા ચેહરે કે ઈશારે સે દૂસરોં કો ખ્વાહ મ ખ્વાહ અપની બાત દોહરાને કી ઝહમત તો નહીં દી ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	મીઝાન
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(31) આજ આપ ને ઘર કે મ-દની મુન્નોં કો બહલાને કે લિયે ઝૂટ તો નહીં બોલા ? (મ-સલન ખાના ખા લોગે તો ખિલોના દૂંગી, સો જાઓ દેખો બિલ્લી આ રહી હૈ વગેરા જબકે વાકિઅતન ઐસા ન હો તો યેહ ઝૂટ હૈ)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	મીઝાન
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(32) क्या आज आप दिन का अक्सर हिस्सा भा वुजू रहीं ? नील बैठने में अक्सर किष्वा ३ रहने की सुन्नत अदा करने की सआदत पाई ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीजान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(33) क्या आज आप ने मद्र-सतुल मदीना (बादिगात) में पढने पढाने की तरकीब की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीजान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(34) क्या आज आप ने राह चलते वक्त और गाडी में सफ़र के दौरान आंभों का कुङले मदीना लगाते हुअे अक्सर नीथी निगाहें रहीं ? धर उधर देखने और साधन बोर्ड वगैरा पर नज़र डालने से बचने की कोशिश की ? नील किसी से बात करते वक्त अक्सर अपनी निगाह नीथी रहीं या मुभातब के येहरे पर नज़रें गाडे रहीं ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीजान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(35) क्या आज आप ने अपने घर के बरआमदों से (बिला जरूरत) बाहर नील किसी और के दरवाजों वगैरा से उन के घरों के अन्दर जांफने से बचने की कोशिश की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीजान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

तीसरा द-रञ्ज 12 म-दनी धन्आमात

(36) कर्मदार होने की सूरत में (बा वुजूदे धस्तिताअत) कर्म प्वाह की धज्जत के बिगैर आप ने कर्म की अदाअेगी में कहीं ताभीर तो नहीं की ? नीअ किसी से आरियतन (आरिअी तौर पर) ली हुई थीअ अरुरत पूरी होने पर मुकर्ररा मुदत के अन्दर वापस कर दी ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीअन
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(37) आज आप ने किसी मुसल्मान के उयूअ पर मुत्तलअ हो जाने पर उस की पर्दा पोशी इरमाई या (बिला मस्लहते शर-ई) उस का अैअ अहिर कर दिया ? नीअ किसी की राअ की आत (बिगैर उस की धज्जत) दूसरे को अता कर अियानत तो नहीं की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीअन
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(38) क्या आज आप को अूट, गीअत, युगली, असद, तकब्बुर और वा'दा अिलाई से अयने में काअ्याअी अासिल हुई ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीअन
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(39) क्या आज आप ने नमाज़ और दुआ के दौरान जुशूओ जुशूअ (या'नी बदन में आज़िज़ी और दिल में गिडगिडाने की कैफ़ियत) पैदा करने की कोशिश इरमाई ? नीज़ दुआ में हाथों की हथेलियां आस्मान की तरफ़ रहीं या नहीं ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	भीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(40) आज आप ने आज़िज़ी के जैसे अल्ज़ाज़ जिन की ताईद दिल न करे बोले कर कहीं निज़ाक और रियाकारी का इरतिकाब तो नहीं किया ? म-सलन इस तरह कहना के मैं हकीर हूं, बहुत बुरी हूं वगैरा जबके दिल में जुद को बहुत अच्छी और नेक समज़ती हों.

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	भीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(41) क्या आज आप ने ज़बान का कुइले मदीना लगाते हुअे कुमूल गोई से बयने की आदत डालने के लिये कुछ न कुछ ईशारे से और कम अज़ कम 12 बार लिख कर बात की ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	भीज़ान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(42) क्या आज आप ने (घर में और बाहर भी) मजाक मस्जरी, तन्ज
 बाजी, दल आजारी और कडूकडा लगाने (या'नी ढलढलला कर
 हंसने) से बचने में काम्याबी हासल की ? (ढला ँजगतते शर-ँ
 कलसी मुसलमान का दल दुबाना कबीरा गुनाह है)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीजान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(43) क्या आज आप ने जरूरी गुस्त-गू भी कम से कम अल्लाज में
 नलमताने की कोशलश इरमाँ ? नीज कुमूल बात मुंह से नलकल
 जाने की सूरत में इौरन नादलम हो कर ललको अलकार कलया या
 कम अल कम अेक बार दुदुद शरीक पढ ललया ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीजान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(44) क्या आज आप ने शर-ँ ँजगत की सूरत में घर से बाहर
 नलकलते वक्त म-दनी बुरकअ, दस्ताने, जुराबें पहनीं ?
 (म-दनी बुरकअ, दस्ताने, जुराबें शर-ँ पर्दे का बेहतरीन जरीआ
 हैं. दस्तानों और जुराबों से बाल की रंगत नहीं ललकनी याहलये)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	मीजान
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(45) आज आप ने ँसा युस्त या बारीक लिबास (जिस से जिस्म की हैअत अहिर हो या रंगत अलके) पहन कर **اللَّحَائِكُ** कहीं बे पढगी तो नहीं की ? नीअ गुनाहों भरा केशन करने म-सलन मर्दों की तरह बाल कटवाने, अभ्रू बनवाने, यादीस दिन से अर्ध नाभुन बढाने वगैरा से बयने की कोशिश इरमाई ? (नेल पौलिश लगाना वुअू और गुस्ल में रुकावट है और अइशां या'नी यमकदार पाउउर से भी बयें)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	भीअन
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(46) आप ने (बिला मस्लहतो शर-ई) किसी अेक या यन्द से आती दोस्ती गांठ रभी है या सब के साथ यकसां तअद्लुकात रभे हैं ? (मुशा-उदा येही है के ई अमाना उमूमन आती दोस्तियां और ग्रूप बन्दियां तन्जीमी कामों की तरक्की में रुकावट बनती हैं हां ईन्दअरत कहीं आने जाने में काबिले अे'तिमाद और नेक ईस्लामी बहन का साथ हो तो कोई हरज नहीं)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	भीअन
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

(47) क्या आज आप ने तन्हा या क्रेसिट ईजतिमाअ में कम अअ कम अेक सुन्तों भरा बयान या म-दनी मुअ-करे की क्रेसिट बैठ कर तवज्जोह के साथ सुनी ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	भीअन
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	

કુફલે મદીના કારકદગી મ-દની માહ વ સાલ.....

તારીખ	લિખ કર ગુફત-ગૂ	ઈશારે સે ગુફત-ગૂ	નિગાહેં ગાડે બિગૈર ગુફત-ગૂ	કુફલે મદીના ઐનક કા ઈસ્તિ'માલ
	કમ અઝ કમ 12 મર્તબા	કમ અઝ કમ 12 મર્તબા	કમ અઝ કમ 12 મર્તબા	કમો બેશ 12 મર્તબા
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				

તારીખ	લિખ કર ગુફત-ગૂ	ઈશારે સે ગુફત-ગૂ	નિગાહેં ગાડે બિગૈર ગુફત-ગૂ	કુફલે મદીના ઐનક કા ઈસ્તિ'માલ
	કમ અઝ કમ 12 મર્તબા	કમ અઝ કમ 12 મર્તબા	કમ અઝ કમ 12 મર્તબા	કમો બેશ 12 મર્તબા
16				
17				
18				
19				
20				
21				
22				
23				
24				
25				
26				
27				
28				
29				
30				

हइतावार 3 म-दनी ई-आमात

(48) क्या आप ने ईस हइते सुन्नतों लरे ईजतिमाअ में आगाऊ ही से शरीक हो कर (जितना बैठ सकीं उतनी देर) हो जानू बैठ कर अक्सर निगाहें नीची किये बयान, जिको हुआ और सलातो सलाम में शिर्कत इरमाई ?

(49) क्या आप ने ईस हइते ईजतिमाअ के इौरन बा'द जुद आगे बढ कर ईन्किरादी कोशिश करते हुअे कम अऊ कम अेक नई ईस्लामी बहन से मुलाकात का शरइ हासिल कर के उन का नाम, पता और इोन नम्बर हासिल किया ? नीऊ दौराने गुइत-गू उन से और ईस के ईलावा दीगर ईस्लामी बहनों और शोहर व महारिम से बात करते हुअे अक्सर मुस्कराने की सुन्नत अदा की ? सुसर के मुआ-मले में अेहतियात रहे तो अच्छा है.

(50) क्या आप ने ईस हइते पीर शरीक (या रह जाने की सूरत में किसी भी दिन) का रोऊ रखा ? नीऊ हइते में कम अऊ कम अेक दिन जाने में जब शरीक की रोटी तनावुल इरमाई ?

माहाना 5 म-दनी ईन्आमात

(51) क्या आप ने इस म-दनी माह की पहली बुध को साबिका म-दनी माह का म-दनी ईन्आमात का रिसाला पुर कर के अपनी जैली जिम्मादार को जम्अ करवाया ?

(52) क्या इस माह आप की ईन्किरादी कोशिश से कम अऊ कम अेक ईस्लामी बहन ने इिके मदीना कर के म-दनी ईन्आमात का रिसाला पुर कर के जम्अ करवाया ?

(53) क्या आप इस माह हैज व निफास के अय्याममें जितनी देर नमाज में सई होती है उतनी देर जिको दुरद या दीनी मुता-लआ (बिगैर आयत व तरजमा छूअे) करने में मसइरू रहीं ?

(54) क्या आप ने छ⁶ कलिमे, ईमाने मुइस्सल, ईमाने मुजमल, तकबीरे तशरीक और तलबिया (या'नी लब्बैक) येह सब तरजमे के साथ जबानी याद कर लिये हैं नीज इस माह की पहली पीर शरीफ (या रह जाने की सूरत में किसी और दिन) येह सब पठ लिये हैं ?

(55) क्या आप ने अजान और इस के बा'द की दुआ, कुरआन शरीफ की कम अऊ कम आबिरी दस सूरतें, दुआअे कुनूत, अत्तलिय्यात, दुरदे ईब्राहीम और कोई अेक दुआअे मासूरा येह सब हुरइ की मजारिज से अदाअेगी के साथ जबानी याद कर लिये हैं ? नीज इस माह की पहली पीर शरीफ (या रह जाने की सूरत में किसी और दिन) येह सब पठ लिये हैं ?

सादाना 8 म-दनी ई-आमात

(56) क्या आप ने ईस साल कम अऊ कम अेक मर्तबा सगे मदीना عَفَى عَنْهُ के तमाम रसाईल (जे आप को मा'लूम हैं) पढ या सुन लिये हैं ?

(57) क्या आप ने ईस साल कम अऊ कम अेक मर्तबा सगे मदीना عَفَى عَنْهُ के मुरतब कर्दा म-दनी कूलों के तमाम पेम्फ्लेट (जे आप को मा'लूम हैं) पढ या सुन लिये हैं ?

(58) क्या आप ने हुइइ की मजारिज से अदाअेगी के साथ कम अऊ कम अेक बार कुरआने पाक नाजिरा जत्म कर लिया है ? और ईसे ईस साल दोहरा लिया ?

(59) क्या आप ने आ'ला उअरत رَحْمَةُ اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ की किताब तम्हीदुल ईमान मअ हाशिया ईमान की पहयान नीऊ मक-त-जतुल मदीना की मत्बूआ किताबें कुइय्या कलिमात के बारे में सुवाल जवाब और यन्दे के बारे में सुवाल जवाब पढ या सुन ली हैं ?

(60) क्या आप ने जहारे शरीअत या ईस्लामी जहनों की नमाज से पढ या सुन कर अपने वुजू, गुस्ल और नमाज दुरुस्त कर के किसी मुजल्लिगा या महरम मुजल्लिग को सुना दिये हैं ?

(61) क्या आप ने इस साल कम अउ कम अेक बार सय्यिदुना ईमाम गअली عَلَيْهِ رَحْمَةُ اللَّهِ الْوَالِي كِ आबिरी तस्नीफ़ मिन्हाजुल आबिदीन से तौबा, ईप्लास, तक्वा, षौफ़ी रजा, उजब व रिया, आंभ, कान, ज्भान, दिल और पेट की डिफ़ाजत का बयान पढ या सुन लिया ?

(62) क्या आप ने इस साल बारी के दिनों में रह जाने वाले र-मअानुल मुबारक के रोजे बा'द में कआ कर लिये ?
(बारी के दिनों में नमाज मुआफ़ है मगर रोजे कआ करने छेते हैं)

(63) क्या आप ने इस साल कम अउ कम अेक मर्तबा बहारे शरीअत डिस्सा 9 से “मुरतद का बयान” डिस्सा 2 से नजासतों का बयान और कपडे पाक करने का तरीका, डिस्सा 16 से बरीदो इरोप्त का बयान, वालिदैन के लुकूक का बयान, (अगर शादी शुदा हैं तो) डिस्सा 7 से मुहर्मात का बयान और लुकूकुज़्ज़ौन डिस्सा 8 से बय्यों की परवरिश का बयान, तलाक का बयान, जिहार का बयान और तलाके किनाया का बयान पढ या सुन लिया ?

રિઝાએ રબ્બુલ અનામ કે કામ

અત્તાર કી અજમેરી બેટી : અમીરે અહલે સુન્નત
 ફરમાતે હૈં : જો ઝૈલ મેં દિયે ગએ 10 મ-દની
 ઈન્આમાત કી પાબન્દી કરે વોહ મેરી “અજમેરી બેટી” હૈ.

મદીના 1 : (દીગર ફરાઈઝ વ વાજિબાત પર અમલ કે સાથ સાથ)
 રોઝાના પાંચોં નમાઝેં (મુસ્તહબ વક્ત મેં) ખુશૂઓ ખુઝૂઅ
 કે સાથ મસ્જિદે બૈત મેં અદા કરે.

મદીના 2 : રોઝાના ફૈઝાને સુન્નત સે કમ અઝ કમ 2 દર્સ (મદ્રસા,
 ઘર વગૈરા) જહાં સહૂલત હો દે યા સુને. (દો મેં સે ઘર કા
 એક દર્સ ઝરૂરી હૈ)

મદીના 3 : રોઝાના મદ્ર-સતુલ મદીના (બાલિગા ક્લાસ) મેં પઢને,
 પઢાને કી તરકીબ કરે.

મદીના 4 : રોઝાના કમ અઝ કમ દો ઈસ્લામી બહનોં કો ઈન્ફિરાદી
 કોશિશ કે ઝરીએ મ-દની ઈન્આમાત, બાલિગા ક્લાસ,
 સુન્નતોં ભરે ઈજતિમાઅ, નેકી કી દા'વત વ દીગર
 મ-દની કામોં કી તરગીબ દિલાએ.

મદીના 5 : દા'વતે ઈસ્લામી કે મ-દની કામોં (મ-સલન ઈન્ફિરાદી
 કોશિશ, દર્સો બયાન, મ-દની મશવરા વગૈરા) મેં રોઝાના
 કમ અઝ કમ દો ઘન્ટે સફ કરે.

મદીના 6 : રોઝાના નમાઝે તહજજુદ, ઈશરાક વ યાશત ઓર અવ્વાબીન અદા કરે.

મદીના 7 : હફતાવાર સુન્નતોં ભરે ઈજતિમાઅ મેં અવ્વલ તા આખિર શિકત કી તરકીબ કરે.

મદીના 8 : રોઝાના કમ અઝ કમ એક બયાન યા મ-દની મુઝા-કરે કી કેસિટ સુને.

મદીના 9 : રોઝાના ફિકે મદીના કે દૌરાન મ-દની ઈન્આમાત કા રિસાલા પુર કર કે હર મ-દની માહ કી પહલી બુધ શરીફ અપની ઝૈલી ઝિમ્માદાર કો જમ્અ કરવા દે.

મદીના 10 : બારી કે દિનોં મેં રહ જાને વાલે રોઝોં કો રખને કી તરકીબ કરે.

અત્તાર કી બગદાદી બેટી : અમીરે અહલે સુન્નત دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَهُ ફરમાતે હેં : જો મઝકૂરા મ-દની ઈન્આમાત પર અમલ કે સાથ 63 મેં સે કમ અઝ કમ 52 ઓર જામિઅતુલ મદીના ઓર મદ્ર-સતુલ મદીના કી તાલિબાત 83 મેં સે કમ અઝ કમ 72 મ-દની ઈન્આમાત કી આમિલા હો વોહ મેરી “બગદાદી બેટી” હૈ.

અત્તાર કી મક્કી બેટી : અમીરે અહલે સુન્નત دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَهُ કા ઈશાદિ હૈ, જો મુન્દરિજએ બાલા મા'મૂલાત બજા લા કર

मेरी अजमेरी और बगदादी बेटी बनने के साथ साथ जैल में दिये हुए 5 म-दनी काम पाबन्दी से करे वोह मेरी “भक्की बेटी” है.

मदीना 1 : रोजाना कम अज कम 12 बार लिख कर गुफ्त-गू.

मदीना 2 : रोजाना कम अज कम 12 बार ईशारे से गुफ्त-गू.

मदीना 3 : रोजाना कम अज कम 12 मिनट कुफ्ले मदीना के अैनक का ईस्ति'माल.

मदीना 4 : (जरूरी गुफ्त-गू की नौबत आती हो तो) रोजाना कम अज कम 12 बार सामने वाले के येहरे पर नजरें गाडे बिगैर गुफ्त-गू.

मदीना 5 : हफ्ते में कम अज कम अेक रिसाला पढे.

(जे रोजाना कम अज कम अेक रिसाला पढने का मा'मूल बनाअे उस से अभीरे अहले सुन्नत $\text{دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَهُ}$ बालुता भुश होते हैं)

अतार की म-दनी बेटी : अभीरे अहले सुन्नत $\text{دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَهُ}$ का इरमाने शकत निशान है के जे मुन्दरिजअे बाला तमाम मा'मूलात के साथ साथ मुकम्मल 63 और मजकूरा तालिबा मुकम्मल 83 म-दनी ईन्आमात की आमिला हो वोह मेरी “म-दनी बेटी” है.

जलआते अतार : आह ! आह ! आह ! हल ढौइअदा है में नहीं जानता के अल्लाह عَزَّوَجَلَّ की मेरे आरे में ढुइया तदबीर क्या है ! अलअता मेरे हल के जलआत येह हैं के सरकारे मदीना صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ के सदके में मुज पर अगर ढास करम हो गया तो إِنَّ شَاءَ اللهُ عَزَّوَجَلَّ अपनी हर अजमेरी, अगदादी, मक्की और म-दनी बेटी को जन्नतुल फिरदौस में साथ लेता जाउंगा.

अतार किस से बेआर : जो इस्लामी अहन दा'वते इस्लामी की मर्कजी मजलसे शूरा, इन्तिअामी काबीनात व मजलस वगैरा की अिला इजलते शर-इ लोगों के सामने मुढा-लइत करे वोह न मेरी अजमेरी बेटी, न अगदादी, न मक्की न म-दनी बेटी अलके कलबे अतार उस से बेआर है.

दुआअे अतार : या अल्लाह عَزَّوَجَلَّ ! जो रोजाना येह मजकूरा म-दनी काम कर लिया करे उस अतार की अजमेरी और अगदादी नीज अतार की मक्की व म-दनी बेटी को मअ अतार जन्नतुल फिरदौस में अपने म-दनी महबूअ صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ का पडोसी अना ले.

أَمِينَ بِجَاهِ النَّبِيِّ الْأَمِينِ صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ

मर्कजी मजलसे शूरा

“या रब्बे करीम ! हमें मुत्तकी बना” के उन्नीस हुर्रुफ़ की निस्बत से घर में “म-दनी माडोल” बनाने के 19 म-दनी इल (1) घर में आते जाते बुलन्द आवाज़ से सलाम कीजिये. (2) वालिदा या वालिद साहिब को आते देख कर ता’जीमन खडे हो जाईये. (3) दिन में कम अज़ कम अेक बार ईस्लामी भाई वालिद साहिब के और ईस्लामी बहनें मां के हाथ और पाउं यूमा करें. (4) वालिदैन के सामने आवाज़ धीमी रखिये, ईन से आंभें हरगिज़ न मिलाईये, नीची निगाहें रख कर ही बातचीत कीजिये. (5) ईन का सोंपा हुवा हर वोह काम जो खिलाई शर-अ न हो इरन कर डालिये. (6) सन्ज-दगी अपनाईये. घर में तू तुकार, अवे तवे और मज़ाक मस्खरी करने, बात बात पर गुस्से हो जाने, खाने में अैब निकालने, छोटे भाई बहनों को मडने, मारने, घर के बडों से उलजने, बहसें करते रहने की अगर आप की आदतें हों तो अपना रवय्या यक्सर तब्दील कर दीजिये, हर अेक से मुआझी तलाझी कर लीजिये. (7) घर में और बाहर हर जगह आप सन्जदा हो जाअेंगे तो **إِن شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** घर के अन्दर भी मरुर ईस की ब-र-कतें मखिर होंगी. (8) मां बल्के बख्यों की अम्मी हो तो उसे नीज़ घर (और बाहर) के अेक दिन के बख्ये को भी “आप” कह कर ही मुखातिब हों. (9) अपने महल्ले की मस्जिद में ईशा की जमाअत के वक्त से ले कर दो घन्टे के अन्दर अन्दर सो जाईये. काश ! तहजजुद में आंभ खुल जाअे वरना कम अज़ कम नमाजे इज तो ब आसानी (मस्जिद की पहली सड़ में जा जमाअत) मुयस्सर आअे और फिर कामकाज में भी सुस्ती न हो. (10) घर के अइराद में अगर नमाजों की सुस्ती, बे पर्दगी, इल्मों इरामों और गाने बाजों का सिदिसिला हो और आप अगर सर-परस्त नहीं हैं, नीज़ मन्ने गालिब है के आप की नहीं सुनी

જાએગી તો બાર બાર ટોકા ટોક કે બજાએ, સબ કો નરમી કે સાથ મક-ત-બતુલ મદીના સે જારી શુદા સુન્નતોં ભરે બયાનાત કી ઓડિયો/વીડિયો કેસિટેં સુનાઈયે. મ-દની ચેનલ દિખાઈયે. **“م-دنی ن تا ۸”** બરઆમદ હોંગે. (11) ઘર મેં કિતની હી ડાંટ બલ્કે માર ભી પડે, સબ્ર, સબ્ર ઓર સબ્ર કીજિયે. અગર આપ ઝબાન ચલાએંગે તો **“م-دنی ما ۱۰”** બનને કી કોઈ ઉમ્મીદ નહીં બલ્કે મઝીદ બિગાડ પૈદા હો સકતા હૈ કે બે જા સપ્તી કરને સે બસા અવકાત શૈતાન લોગોં કો ઝિદી બના દેતા હૈ. (12) મ-દની માહોલ બનાને કા એક બેહતરીન ઝરીઆ યેહ ભી હૈ કે ઘર મેં રોઝાના ફૈઝાને સુન્નત કા દર્સ ઝરૂર ઝરૂર ઝરૂર દીજિયે યા સુનિયે. (13) અપને ઘર વાલોં કી દુન્યા વ આખિરત કી બેહતરી કે લિયે દિલસોઝી કે સાથ દુઆ ભી કરતે રહિયે કે ફરમાને મુસ્તફા હૈ **“ يا’نی دُعا مومنین ”** : **“ صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ ”** હથિયાર હૈ. (14) સુસરાલ મેં રહને વાલિયાં જહાં ઘર કા ઝિક હૈ વહાં સુસરાલ ઓર જહાં વાલિદૈન કા ઝિક હૈ વહાં સાસ ઓર સુસર કે સાથ વોહી હુસ્ને સુલૂક બજા લાએ જબકે કોઈ માનેએ શર-ઈ ન હો. (15) મસાઈલુલ કુરઆન સફહા 290 પર હૈ : હર નમાઝ કે બા’દ યેહ દુઆ અવ્વલ વ આખિર દુરૂદ શરીફ કે સાથ એક બાર પઠ લીજિયે, **“م-دنی ن تا ۸”** બાલ બચ્ચે સુન્નતોં કે પાબન્દ બનેંગે ઓર ઘર મેં મ-દની માહોલ કાઈમ હોગા. (દુઆ યેહ હૈ :)

(اللَّهُمَّ رَبَّنَاهُ بُنَّامِنُ أَرْوَاجِنَا وَدُرِّيَّتِنَا قُرَّةَ أَعْيُنٍ وَاجْعَلْنَا لِلْمُتَّقِينَ إِمَامًا ۝۱)
 (“اللَّهُمَّ” આયતે કુરઆની કા હિસ્સા નહીં)

1 : તર-જ-મએ કન્ઝુલ ઈમાન : એ હમારે રબ હમેં દે હમારી બીબિયોં ઓર હમારી ઓલાદ સે આંખોં કી ઠન્ડક ઓર હમેં પરહેઝ ગારોં કા પેશ્વા બના. (۱۹۶، الفرقان ۷۴)

(16) ना इरमान बय्या या बडा जब सोया हो तो 11 या 12 दिन तक उस के सिरहाने ञडे हो कर येह आयाते मुभा-रका सिई अेक बार ईतनी आवाज से पढिये के उस की आंभ न भुले :

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ طَبْلٌ هُوَ قُرْآنٌ مَّجِیْدٌ ﴿١١﴾ فِي لَوْحٍ مَّحْفُوْطٍ ﴿١٢﴾¹
 (अव्वल, आभिर, अेक मर्तबा दुरद शरीई) याद रहे ! बडा ना इरमान हो तो सोते सोते सिरहाने वजीई पढने में उस के जागने का अन्देशा है भुसूसन जब के उस की नींद गहरी न हो, येह पता चलना मुश्किल है के सिई आंभें बन्द हैं या सो रहा है लिहाजा जहां इतने का भौई हो वहां येह अमल न किया जाये पास कर बीवी अपने शोहर पर येह अमल न करे. (17) नीज ना इरमान औलाद को इरमां बरदार बनाने के लिये ता हुसूले मुराद नमाजे इज के बा'द आस्मान की तरई रुभ कर के "يٰشَهِیْدُ"
 21 बार पढिये. (अव्वल व आभिर, अेक बार दुरद शरीई) (18) म-दनी ईन्आमात के मुताबिक अमल की आदत बनाईये, और घर के जिन अइराद के अन्दर नर्म गोशा पाअें उन में और आप अगर भाप हैं तो औलाद में नरमी और हिकमते अ-मली के साथ म-दनी ईन्आमात का निइाज कीजिये, अद्लाह جَلَّ وَعَزَّ की रहमत से घर में म-दनी ईन्किलाब बरपा हो जायेगा. (19) (ईस्लामी भाई) पाबन्दी से हर माह कम अज कम तीन दिन के म-दनी काइले में आशिकाने रसूल के साथ सुन्नतों बरा सइर कर के घर वालों के लिये भी दुरा करें. म-दनी काइले में सइर की ब-र-कत से भी घरों में म-दनी माहोल बनने की "म-दनी बहारें" सुनने को मिलती हैं.

1 : तर-ज-मअे कन्जुल ईमान : बढे वोह क्माल शरई वाला कुरआन है लौहे महइज में. (٢٢:٢١: البروج: ٣٠: ٢)

કારકર્દગી બરાએ રિઝાએ રબ્બુલ અનામ عَزَّ وَجَلَّ કે કામ

- (1) ઇસ માહ કે અક્સર દિનોં મેં મઝકૂરા મ-દની ઇન્આમાત પર અમલ કી કોશિશ રહી ?
- (2) ઇસ માહ કે અક્સર દિનોં મેં કમ અઝ કમ 12 મર્તબા લિખ કર ગુફ્ત-ગૂ ફરમાઈ ?
- (3) ઇસ માહ કે અક્સર દિનોં મેં કમ અઝ કમ 12 મર્તબા ઇશારે સે ગુફ્ત-ગૂ ફરમાઈ ?
- (4) ઇસ માહ કે અક્સર દિનોં મેં કમ અઝ કમ 12 મર્તબા ચેહરે પર નિગાહેં ગાડે બિગૈર ગુફ્ત-ગૂ કી કોશિશ ફરમાઈ ?
- (5) ઇસ માહ કે અક્સર દિનોં મેં કમ અઝ કમ 12 મિનટ કુફ્લે મદીના કા ઐનક ઇસ્તિ'માલ ફરમાયા ?
- (6) ઇસ માહ આપ ને અમીરે અહલે સુન્નત سُنَّةَ بَرِّكَاتِهِمُ الْعَالِيَةِ કે કિતને રસાઈલ કા મુતા-લઆ ફરમાયા ?

પહલા હફ્તા તીસરા હફ્તા કુલ તા'દાદ

દૂસરા હફ્તા ચૌથા હફ્તા

- (7) ઇસ માહ 63 મ-દની ઇન્આમાત મેં સે કિતને પર અમલ કી કોશિશ રહી ?
- (8) ઇસ માહ કિતને દિન ફિકે મદીના કી સઆદત હાસિલ કી ?

إِنِّ الْحَمْدُ لِلَّهِ عَزَّ وَجَلَّ ઇસ માહ અત્તાર કી અજમેરી બેટી અત્તાર કી બગદાદી બેટી

અત્તાર કી મક્કી બેટી અત્તાર કી મ-દની બેટી બનને કી સઆદત હાસિલ હુઈ.

إِنَّ مَاءَ اللَّهِ عَزَّ وَجَلَّ આયન્દા માહ કમ અઝ કમ મ-દની ઇન્આમાત પર અમલ કી કોશિશ કરુંગી.

अमल करने का आसान तरीका

रिसाले में हर म-दनी ईन्आम के नीचे 30 दिनों के जाने दिये गये हैं. रोजाना वक्ते मुकर्रर पर फ़िके मदीना (या'नी मुखा-सबे के दौरान जाने पुर करने का सिब्सिला) कीजिये जिन म-दनी ईन्आमात पर अमल की सआदत मिली, नीचे जाने में (<) का निशान वरना (o) बना दीजिये إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ न तदरीज अमल में ईजाफे के साथ साथ दिल में गुनाहों से नफरत पाओगे.

हदीसे पाक में है : (आभिरत के मुआ-मले में) घडी भर गौरो फ़िक करना 60 साल की ईबादत से बेहतर है.

(الجامع الصغير للسيوطي ، الحديث 5897 ص 365 دارالكتب العلمية بيروت)

दुआये अतार : या अल्लाह عَزَّ وَجَلَّ ! जो हर माह तेरी रिजा के लिये म-दनी ईन्आमात पर अमल कर के रोजाना इस रिसाले में दिये गये जाने पुर कर के अपने जैली मुशा-वरत के निगरान को जम्अ करवाये तू उस के अमल में ईस्तिकामत अता फरमा कर उस को अपना मकबूल बन्दा बना ले.

म-दनी माह..... 14 सि.हि.

नाम मअ वल्लियत..... उम्र तकरीबन.....

मुकम्मल पता.....

जैली हल्का..... हल्का..... अलाका/शहर.....

आप ने **फ़िके मदीना** (या'नी मुखा-सबे के दौरान जाना पुरी करने) के लिये कौन सा **वक्त** मुकर्रर फरमाया है?.....

सिलेक्टेड हाउस, अविफ़ की मस्जिद के सामने, तीन दरवाजा, अहमदशाहाद-1 गुजरात, इन्डिया

मक-त-अतुल मदीना
(दर'वते ईस्लामी)

Mo.091 93271 68200

E-mail : maktabahind@gmail.com www.dawateislami.net